# भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान

**मेरी परिभाष में लोकतंत्र सरकार का एक एक ऐसा रूप एवं रीति है जिसके द्वारा बिना किसी खून-खराबे के सामाजिक जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए जाते हैं। यह वास्तविक परीक्षा है। शायद यह कठिन परीक्षा है।**

- डॉ. बी. आर अंबेडकर,
अध्यक्ष, संविधान प्रारूपण समिति

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान
निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001
दूरभाष +91-11-23717391-98
फैक्स +91-11-23713412
यूआरएल : www.eci.nic.in

दक्ष निर्वाचनों और प्रबुद्ध सहभागिता की दिशा में

भारत निर्वाचन आयोग
नई दिल्ली

लोकतंत्र की भावना कोई यांत्रिक चीज नहीं है जिसके रूपों को खत्म करके समायोजित किया जाए। इसके लिए हृदय परिवर्तन आवश्यक है। मैं लोकतंत्र को ऐसे रूप में मानता हूं जो कमजोर एवं बलशाली दोनों को एक साथ अवसर देता है।
- महात्मा गांधी

भारत निर्वाचन आयोग
भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान

मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी

**आई डी ई ए**

यद्यपि लोकतांत्रिक पद्धतियों भारत में छठी शताब्दी बी सी में दिखाई देती हैं और कुछ क्षेत्रों में चौथी शताब्दी ए डी तक कायम रहीं, तथापि हमारा देश पहली बार वर्ष 1950 में स्वतंत्रता के बाद 3 वर्ष से कम समय में एक पूर्ण संवैधानिक लोकतंत्र बना।

तब से एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग भारतीय राजनैतिक प्रक्रिया के एक अभिन्न भाग के रूप में व्यापक स्तर पर आवधिक निर्वाचनों का सफल संचालन कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप सत्ता का शांतिपूर्वक अंतरण होता रहा है। वास्तव में, यह अब सुदृढ़ धर्म निरपेक्ष एवं उदार चरित्र के साथ उल्लेखनीय गणतांत्रिक प्रयोग माना जाता है, शायद देश और संभवत: पूरे विश्व में देश के सामाजिक इतिहास में साहसिक प्रयास है।

इस यात्रा की चुनौती कठिन है। 1.2 बिलियन की जनसंख्या तथा लगभग 730 मिलियन मतदाताओं के साथ भारत न केवल विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र है बल्कि अपनी संस्कृतिक, भाषाई एवं जातीय विभिन्नता तथा लोगों को एक सूत्र में पिरोकर रखने वाली धर्म निरपेक्ष एवं संघीय राजनीति के लिए जाने जाने वाला देश भी है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान **(**आई आई आई डी ई एम**)**, इस प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं सतत करने के लिए एक नई पहल है। यह आधुनिक भारत के निर्माताओं एवं संविधान निर्माताओं की समझ की उपज है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भरोसेमंद तथा पेशेवर ढंग से प्रबंधन किए गए निर्वाचन, लोकतंत्र के आधार हैं। यह संस्थान भी विश्व के राष्ट्रों के साथ अपने शिक्षा अर्जन एवं अनुभवों को साझा करने की वर्षों पुरानी भारतीय परंपरा से प्रेरित है।

**विजन**

सहभागिता वाले लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन के बारे में शिक्षा अर्जन, अनुसंधान तथा विस्तार के एक उन्नत संसाधन केंद्र के रूप में विकसित करना

**मिशन**

लोकतांत्रिक मूल्यों और पद्धतियों को बढ़ावा देना, मतदाता शिक्षा एवं जागरूकता को बढ़ाने तथा भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचनों के दक्ष संचालन के लिए मानव संसाधन एवं क्षमता विकसित करने तथा अन्य देशों के साथ परस्पर लाभप्रद भागीदारियां एवं सहयोग विकसित करने के लिए कार्य करना

**लक्ष्य**

प्रतिबद्ध, सक्षम, भरोसेमंद एवं कुशल प्रबंधकों तथा संबद्ध समूहों द्वारा निर्वाचन प्रक्रियाओं का सावधानीपूर्वक, सही, मतदाता हितैषी कार्यान्वयन।

मजबूत लोकतंत्र - सबकी भागीदारी

**घटक**

प्रशिक्षण और क्षमता विकास विंग **(टी सी डब्ल्यू)**

इसमें देश में एक सकारात्मक निर्वाचन संस्कृति निर्मित करने के लिए सुप्रशिक्षित एवं प्रतिबद्ध निर्वाचन प्रबंधकों की नई पीढ़ी को तैयार करने एवं विकसित करने और उनके ज्ञान कौशलों तथा पेशेवर क्षमता को अद्यतन करने की योजना है।

यह सीधी समझ के माध्यम से या संयुक्त राष्ट्र, राष्ट्रमंडल एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग से द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय क्षमता विकास , कार्यक्रमों को भी सहायता प्रदान करेगा।

**मतदाता शिक्षा और नागरिक सहभागिता विंग (वी सी डब्ल्यू) :**

यह विंग लोकतंत्र के पक्ष में सकारात्मक आवाजों एवं दृष्टिकोणों का एक मिश्रण निर्मित करता है, निर्वाचन साक्षरता, फैसिलिटेशन कार्यक्रमों और प्रबुद्ध मतदाता सहभागिता के माध्यम से इसे बढ़ावा देता है एवं निरंतरता प्रदान करता है।

**अनुसंधान, अभिनवीकरण एवं प्रलेखन विंग (आर आई डी डब्ल्यू)**

यह प्राधिकारात्मक ज्ञान और सूचना पूल की संभावना का पता लगाने, अध्ययन करने और इसे निर्मित करने की योजना बनाकर, लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन में भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमों, प्रचालनों और क्रियाकलापों को अनुसंधान एवं नीति संबंधी सहायता प्रदान करके तथा विश्व के अन्य आकांक्षी राष्ट्रों की जरूरतों को पूरा करके एक संसाधन एजेंसी एवं थिंक टैक के रूप में कार्य करेगा।

**अंतर्राष्ट्रीय परियोजना तथा तकनीकी सहयोग विंग (आई सी डब्ल्यू) :**

आई सी डब्ल्यू अंतर संस्थागत एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रदान करता है और अनुरोध पर निर्वाचन प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

**अवस्थान**

वर्तमान में आई आई आई डी ई एम नई दिल्ली में भारत निर्वाचन आयोग के परिसर से कार्य करता है। अंतत: राष्ट्रीय राजधानी में इसका अपना स्वयं का परिसर होगा जहां अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं सम्मेलन की सुविधाए, छात्रावास, पुस्तकालय एवं संसाधन केंद्र होगा।

**मूल्यांकन**

एक संसाधन एजेंसी के रूप में, आई आई आई डी ई एम निम्नलिखित संकेतकों के माध्यम से अपने कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करता है:

- व्यक्तिगत स्तर - निर्वाचन कार्मिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल, व्यवहार तथा मूल्य में अत्यधिक सुधार।
- संगठनात्मक स्तर - प्रणालियों, प्रक्रियाओं, प्रचालनों में उल्लेखनीय सुधार।
- संरचनात्मक स्तर - नीति, योजना, विद्यायन एवं सुधारों में बेहतरी, जिसके परिणामस्वरूप स्वस्थ एवं मित्रवत मतदान प्रक्रिया का सृजन।
- मतदाता सहभागिता स्तर - समग्र सहभागिता, विशेषकर महिलाओं, युवकों और उपेक्षित एवं अतिसंवेदनशील वर्ग के लोगों की सहभागिता में वृद्धि; मिशिंग मतदाताओं की संख्या में कमी।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर - ऐसे देशों, जहां आई आई आई डी ई एम भागीदार है, में निर्वाचन लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

**सहयोग**

आयोग ने संयुक्त राष्ट्र तथा राष्ट्रमंडल तथा अंतर सरकारी निकायों यथा, अंतर्राष्ट्रीय आई डी ई ए के साथ पहले ही संस्थान की पहुंच का विस्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग ने हितबद्ध देशों के निर्वाचन प्रबंधन निकायों को आई आई आई डी ई एम सुविधा प्रदान की है।

भारत में चार साधारण निर्वाचनों का तथ्य पत्र

| | **1951-52*** | 1971 | 1991-92 | 2009 |
|---|---|---|---|---|
| निर्वाचक मंडल | 173212343 | 274189132 | 511533598 | 716985101 |
| डाले गए मत | 105950083 | 151536802 | 285856465 | 416672994 |
| टर्न आउट | 61.17 | 55.27 | 55.88 | 58.19 |
| अभ्यर्थियों की सं. | 28.33 | 4440 | - | 11252 |
| निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थी | 1874 | 2784 | 8749 | 8070 |
| सीटों की कुल सं. | 489 | 518 | 534 | 543 |
| लड़ी गई सीटें | 479 | 517 | 534 | 543 |
| विजेता अभ्यर्थी | 489 | 518 | 534 | 543 |
| विजेता महिलाएं | 0 | **0** | 39 | 58 |
| निर्वाचन क्षेत्रों की कुल सं. | 401 | 518 | 543 | 543 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित | 0 | 76 | 79 | 84 |
| अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित | 8 | 36 | 41 | 47 |
| निर्वाचन लड़ रहे मान्यताप्राप्त दलों की सं. | 53 | 25 | 36 | 41 |
| राष्ट्रीय दल | 14 | 8 | 9 | 7 |
| राज्य दल | 39 | 17 | 27 | 34 |

* वर्ष **1951-52** निर्वाचन में सीटों की संख्या निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या से अधिक थी क्योंकि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में एक से अधिक सीटें थीं।

चित्र